सत्यमेव जयते

बातचीत

न. 12/2025 भारतीय थलसेना का प्रकाशन दिसम्बर 2025

शक्ति के पीछे की शक्ति
शक्ति का अदृश्य प्रेरक तत्व

सैन्य महिला कल्याण संघ

आर्मी वूमेंस वेलफेयर एसोसिएशन (आवा) की स्थापना 23 अगस्त 1966 को हुई थी, जब इसे सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया। स्थापना के बाद से ही आवा सेना कार्मिकों की पत्नियों, बच्चों तथा आश्रितों के कल्याण के लिए निरंतर समर्पित रूप से कार्य करता आ रहा है। यह इस मूल धारणा पर आधारित है कि एक सैनिक अपने कर्तव्यों का सर्वोत्तम निर्वहन तभी कर सकता है, जब उसे यह विश्वास हो कि उसके घर पर परिवार की पूरी देखभाल की जा रही है। सशस्त्र बलों का पेशा अपनी विशिष्ट प्रकृति का होता है और इससे जुड़ी कठिनाइयों तथा त्याग को केवल संगठन के भीतर से ही सही रूप में समझा जा सकता है। इसी कारण आवा अपनों की देखभाल की भावना को अपनाते हुए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विजन

सामाजिक नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने हेतु आवा के लाभार्थियों को अपनत्व की भावना, सतत योजनाओं, समावेशी विकास तथा डिजिटलीकरण के माध्यम से सशक्त एवं समर्थ बनाना है, जो विकसित भारत @ 2047 की थीम के साथ पूर्णतः मेल खाता हो।

आवा उद्यमी

उद्यम एवं योजनाएं

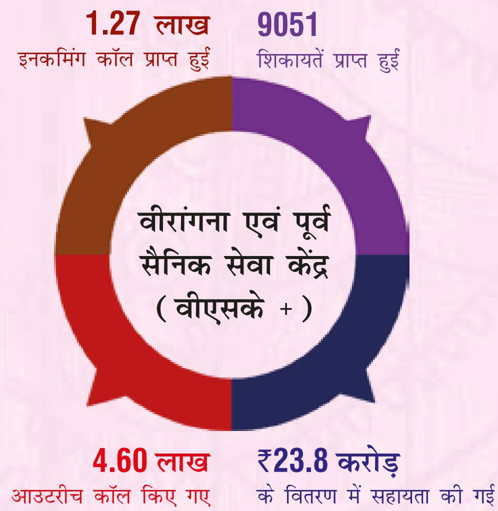
1.27 लाख
इनकमिंग कॉल प्राप्त हुई
9051
शिकायतें प्राप्त हुई
वीरांगना एवं पूर्व सैनिक सेवा केंद्र (वीएसके +)
4.60 लाख
आउटरीच कॉल किए गए
₹23.8 करोड़
के वितरण में सहायता की गई

48
Army Skill Training Centres
800
Employed
10,000
Women Trained
40
Courses
450
Vocational Training Centres
Impact on Women Empowerment

ARMY SKILL TRAINING CENTRE

32
Asha Schools
100+
Career Guidance Centres
100+
Education Centres
Health Camps for Children
120+
Sports Camps
150+
250+
Interactive Sessions
Facilities for Children

उद्यम एवं योजनाएं

विश्वास परियोजना

विश्वास परियोजना, आशा स्कूलों के बच्चों को 18 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद आजीविका के अवसर प्रदान करती है। 'विश्वास' के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिनके माध्यम से मिट्टी के बर्तन, आभूषण, मोमबत्तियाँ, कागज के बैग/ कप, साबुन तथा अन्य हस्तकला उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इन उत्पादों को आवा के आउटलेट्स के माध्यम से बिक्री हेतु उपलब्ध कराया जाता है। जिन बच्चों ने यह कौशल विकास कार्यक्रम पूरा कर लिया है, उन्हें वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों अथवा आवा की अन्य पहलों/ उद्यमों में रोजगार प्राप्त करने में सहयोग प्रदान किया जाता है।

प्रत्याशा परियोजना

प्रत्याशा, आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) का उपचार करा रहे मरीजों के लिए एक सहायता समूह है। यह सहायता समूह असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) के माध्यम से उपचार करा रहे दंपतियों को भावनात्मक सहारा प्रदान करता है। इस परियोजना का शुभारंभ 3 मार्च 2025 को किया गया था।

महात्मा पुरस्कार

आवा को सामाजिक कल्याण और प्रभाव के लिए 01 अक्टूबर 2024 को प्रतिष्ठित महात्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने की दिशा में गैर-सरकारी संगठन द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उचित मान्यता को दर्शाता है।

संत ईश्वर विशिष्ट सेवा सम्मान

महिलाओं एवं बाल कल्याण के विकास हेतु किए गए परिवर्तनकारी जमीनी सामाजिक कार्यों की मान्यता स्वरूप आवा को 05 अक्टूबर 2025 को संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा "प्रतिष्ठित संत ईश्वर विशिष्ट सेवा सम्मान" प्रदान किया गया।

निकटतम परिजनों के लिए सहायता

क्रम सं.	विवरण		राशि ₹	टिप्पणियाँ
(क)	आवा एक्स ग्रेशिया		₹ 30,000/-	सभी मृत्यु के मामलों में (सेवा के दौरान)
(ख)	आवा शैक्षिक छात्रवृत्ति			
	(i)	I to VIII	₹ 10,000/-	एक शैक्षणिक वर्ष में प्रति बच्चे के लिए, अधिकतम दो बच्चों तक (सेवानिवृत्ति उपरांत मृत्यु के मामलों में)
	(ii)	IX to XII	₹ 14,000/-	
	(iii)	स्नातक	₹ 20,000/-	
	(iv)	स्नातकोत्तर	₹ 25,000/-	
	(v)	व्यावसायिक पाठ्यक्रमों	₹ 50,000/-	
(ग)	विवाह सहायता		₹ 50,000/-	सेवानिवृत्ति के बाद मृत्यु के मामलों में
(घ)	आर्थिक सहायता		₹ 20,000/-	विधवा/व्यक्तिगत व मामले के आधार पर लिखित अनुरोध
(ङ)	चिकित्सा व खेल सहायता		-	

उद्यम एवं योजनाएं

गर्भवती महिलाओं को शिक्षा देना ताकि गर्भावस्था के परिणाम बेहतर हों।

वृद्ध देखभालकर्ताओं और गर्भवती महिलाओं के पतियों को सही प्रथाओं के बारे में मार्गदर्शन देना।

स्त्रीरोग विशेषज्ञों, प्रसूति विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों और योग प्रशिक्षकों के साथ ऑनलाइन एवं संवादात्मक सत्र आयोजित करना।

गर्भ संस्कार

सूर्य कमान के तत्वावधान में प्रयागराज में एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व प्रसिद्ध विशेषज्ञों जैसे डॉ. शशि खरे, डॉ. पुष्पा पांडे, डॉ. अलका अग्रवाल, डॉ. शारदा मिश्रा और डॉ. वर्षा कुमारी ने किया।

संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के प्रमुखों का सम्मेलन (यूएन टीसीसी)

आवा की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता द्विवेदी ने 14-16 अक्टूबर 2025 को मानेकशॉ केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित प्रमुखों के सम्मेलन के लिए यूएन टीसीसी के प्रमुखों की पत्नियों और वरिष्ठ सैन्य प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

इस कार्यक्रम के दौरान संबंधित सेनाओं के प्रमुखों की पत्नियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने "परिवार की भागीदारी के माध्यम से बिल्डिंग मिलिट्री रेजीलेंस" विषय पर सार्थक अंतरराष्ट्रीय संवाद और चर्चा के लिए मिलकर विचार-विमर्श किया।

सेना कल्याण शिक्षा समिति (एडब्ल्यूईएस)
(गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और चरित्र निर्माण)

मिशन

बच्चों को उनकी पूर्ण क्षमता को पहचानने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त फैकल्टी और आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ सीखने का एक सक्षम और उत्साहपूर्ण वातावरण प्रदान करना।

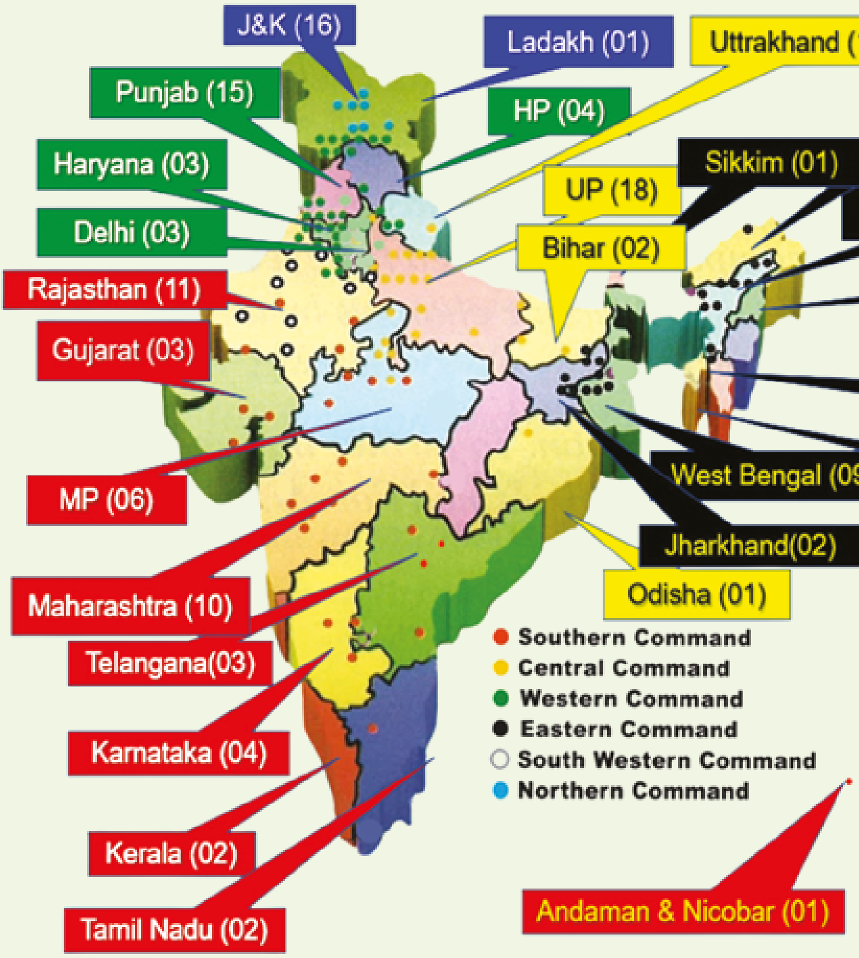

- 140 x APS
- Each APS to adopt atleast one Govt / Govt Aided School in its vicinity
- 148 Schools adopted

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एआईटी), पुणे, जो कि सेना कल्याण शिक्षा समिति (एडब्ल्यूईएस) के अंतर्गत एक प्रतिष्ठित संस्था है, को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) इंजीनियरिंग एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया।

एडब्ल्यूईएस को 03 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ)
(दूसरे करियर की सुविधा प्रदान करना)

- एडजुटेंट जनरल शाखा के तत्वावधान में कार्य करता है।
- एडब्ल्यूपीओ के पास देश के सभी प्रमुख शहरों में 17 क्षेत्रीय कार्यालय और विभिन्न रेजिमेंटल केंद्रों तथा फॉर्मेशन मुख्यालयों में 49 प्लेसमेंट सेल हैं, जो पूरे देश के राज्यों को कवर करती हैं।

प्रशिक्षण एवं सशक्तिकरण

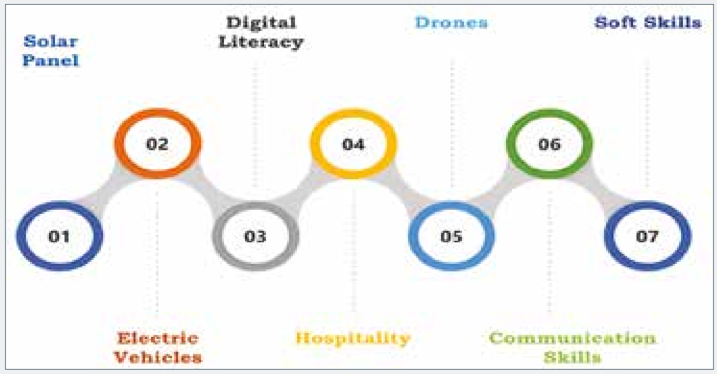

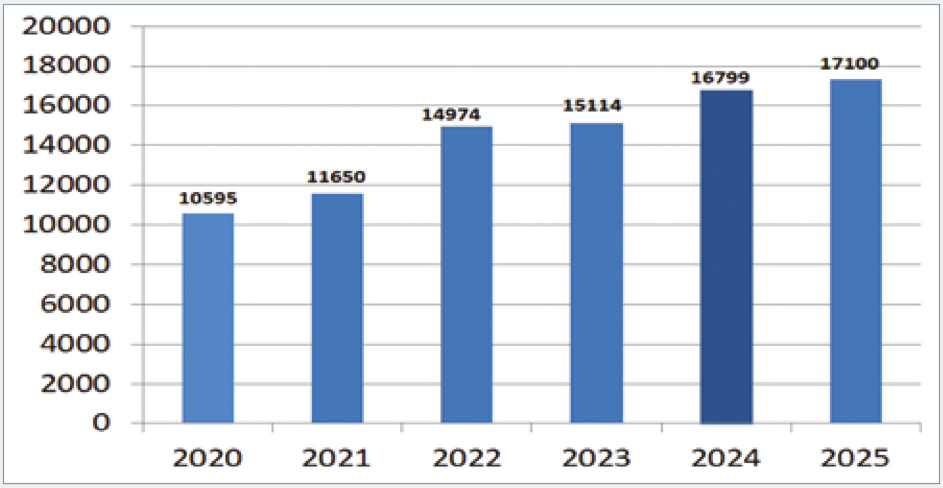

पिछले 5 वर्षों में महिलाओं के लिए रोजगार

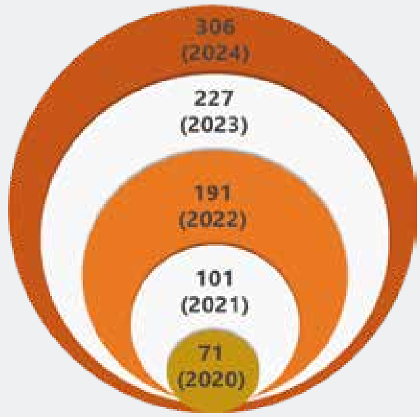

एडब्ल्यूपीओ ने कुल 2,795 अधिकारियों, 27,171 सीओज, 1,21,120 अन्य रैंकों और 2,139 विधवाओं, आश्रितों एवं परिजनों को रोजगार प्रदान किया है।

आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड (एजीआईएफ) (सेवारत भारतीय सैनिक)

एजीआई भवन

- 1 जनवरी 1976 को एडजुटेंट जनरल शाखा के तत्वावधान में एक स्व-संचालित और स्व-पोषित योजना के रूप में स्थापित।
- सेना कर्मियों द्वारा स्वयं वित्तपोषित।
- सेवारत अधिकारियों जेसीओ और अन्य रैंकों को युद्ध सहित सभी जोखिमों पर बीमा कवर प्रदान करता है।
- सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से अधिकारियों जेसीओ और अन्य रैंकों की बचत को जुटाता है।
- समय-समय पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा निर्धारित अनुसार सेवारत/पूर्व सैनिकों को लाभ/सहायता प्रदान करता है।

बीमा योजना

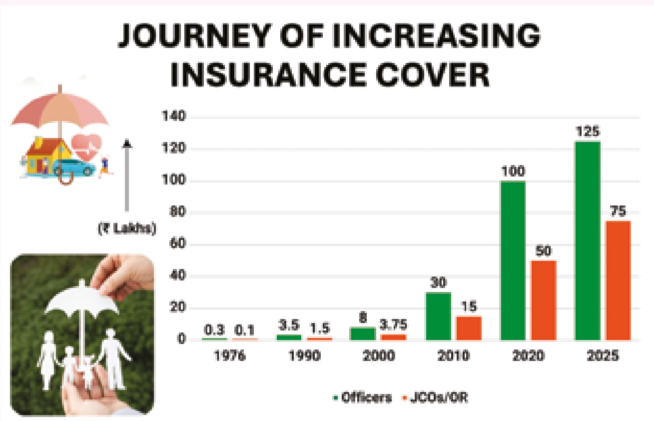

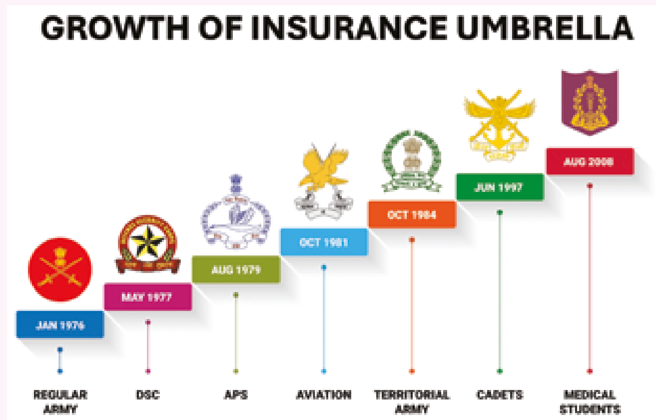

ऋण योजनाएँ

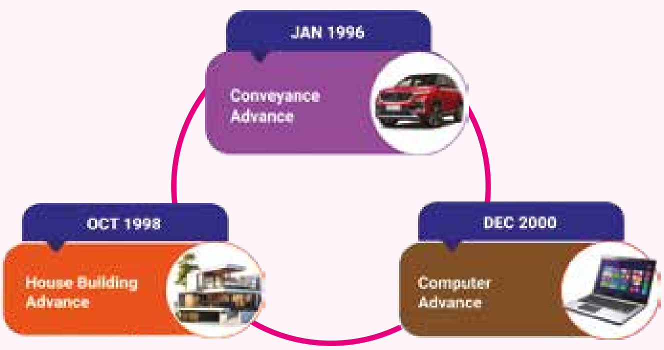

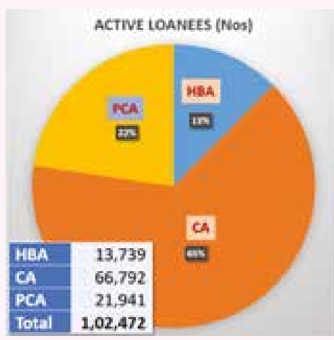

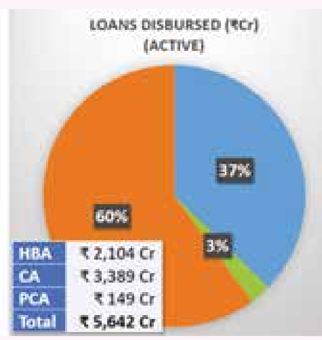

निवेश परामर्श समिति : 2025

आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड (एजीआईएफ) (सेवारत भारतीय सैनकि)

नाबालिग बच्चों और विधवाओं के हितों की सुरक्षा के लिए **सामाजिक सुरक्षा जमा,** ताकि उनके बीमा लाभ सुरक्षित रहें। यह राशि राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा (एफडी) के रूप में निवेश की जाती है।

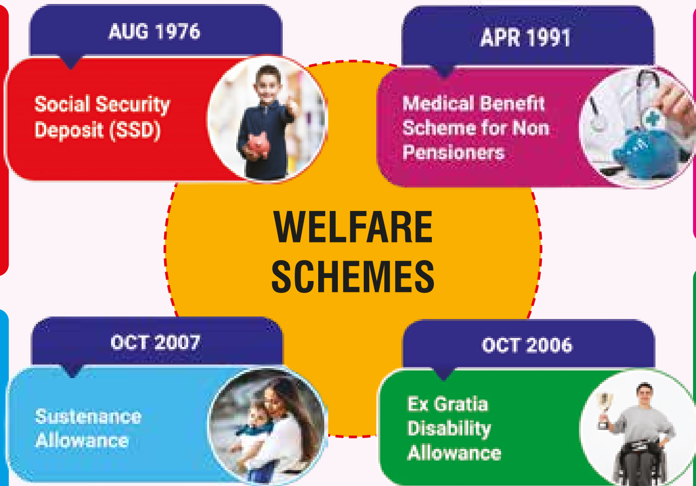

गैर-पेंशनधारकों के लिए चिकित्सा लाभ योजना: 100 प्रतिशत दिव्यांगता के लिए (अधिकारियों) को ₹25 लाख तथा (जेसीओ/ ओआर) को ₹12.5 लाख, 100 प्रतिशत दिव्यांगता पर (20 प्रतिशत दिव्यांगता तक लाभ अनुपातिक रूप से कम किया जाएगा)।

सेवा के दौरान शहीद हुए/निधन हुए सैनिकों के विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों को ₹12,000/- प्रति माह **भरण-पोषण भत्ता।**

एक्स-ग्रेशिया दिव्यांगता भत्ता: 100 प्रतिशत दिव्यांगता के कारण सेवा से मुक्त किए गए सैनिकों को, निरंतर देखभाल भत्ता अधिकारियों के लिए ₹25 लाख और जेसीओ/ओआर के लिए ₹12.5 लाख की मूल राशि पर त्रैमासिक ब्याज (एमएमएफ पर) का भुगतान।

ऋण/अग्रिम की ऑनलाइन प्रक्रिया : एडीएन (आर्मी डेटा नेटवर्क)

- 01 जून 2025 से, हाउस बिल्डिंग एडवांस (एचबीए), कन्वेयंस एडवांस (सीए) और पर्सनल कंप्यूटर एडवांस (पीसीए) के लिए सभी आवेदन आर्मी डेटा नेटवर्क (एडीएन) पर उपलब्ध आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड (एजीआईएफ) वेबपेज के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जा रहे हैं।

- आवेदन इंडियन आर्मी पोर्टल के होम पेज पर जाकर भरे जा सकते हैं: > Branches > AG's Branch > AGIF > ऋण के लिए URL https://agif.army.mil. के माध्यम से आवेदन करें। पूर्ण दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत ऋण आवेदन पाँच कार्य दिवसों के अंदर प्रक्रिया पूरी हो जाती है।

एजीआईएफ वेबपेज पर परिपक्वता (मैच्योरिटी) कैलकुलेटर : एडीएन

- एजीआईएफ के सदस्यों को उनके फंड की वृद्धि को समझने तथा उनकी संचित परिपक्वता (मैच्योरिटी) का अनुमान लगाने में सक्षम बनाने के लिए एजीआईएफ वेबपेज (एडीएन) पर एक मैच्योरिटी कैलकुलेटर उपलब्ध कराया गया है।
- मैच्योरिटी कैलकुलेटर को इंडियन आर्मी पोर्टल के होम पेज पर जाकर इस प्रकार खोला जा सकता है: ⇨ **Branches** ⇨ **AG's Branch** ⇨ **AGIF** ⇨ **परिपक्वता लाभ कैलकुलेटर** या URL https://agif.army

आर्मी वेलफेयर हाउसिंग सोसाइटी (एडब्ल्यूएचओ)
(हम आपके आवास के सपनों को साकार करते हैं)

एडब्ल्यूएचओ एक गैर-लाभकारी कल्याणकारी आवास संगठन है जिसकी स्थापना दिसंबर 1978 में भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI, 1860 के तहत की गई थी।

अपनी स्थापना के बाद से, एडब्ल्यूएचओ ने सफलतापूर्वक 79 परियोजनाएं पूरी की हैं।

देश भर में **33529 घरों** का निर्माण और **539** भूखंडों **का विकास** किया है।

जम्मू, श्रीनगर, कोयंबटूर, सिकंदराबाद (जेसीओ/ओआर के लिए) और नीमराना/अलवर (राजस्थान) के लिए मांग सर्वेक्षण जारी है।

गाजियाबाद, भोपाल और कोटद्वार/हल्द्वानी के लिए सर्वेक्षण जारी है।

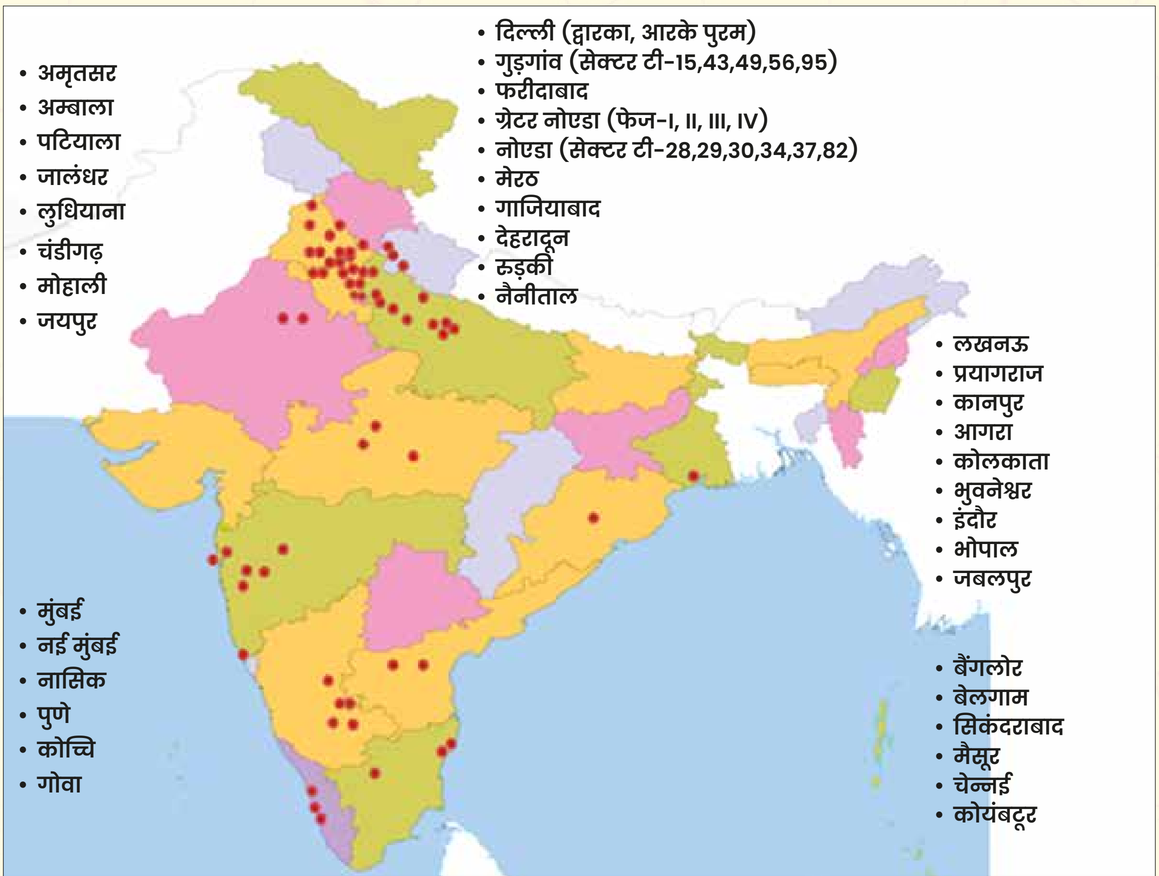

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

18 दिसंबर 2025 को जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स द्वारा आयोजित तीसरे थल सेना शिखर सम्मेलन को थलसेनाध्यक्ष ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। इस शिखर सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिलीपींस, मलेशिया और अमेरिका के सेना प्रमुखों और वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति गार्ड के कमांडर मेजर जनरल अली सैफ हुमैद अलकाबी ने सेना प्रमुख से मुलाकात की। उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने, सैन्य स्तर पर गहन संपर्क स्थापित करने और क्षेत्रीय स्थिरता एवं वैश्विक शांति के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने पर चर्चा की।

थलसेनाध्यक्ष और सेना प्रमुख ने अपने एनडीए सहपाठियों के साथ 4 दिसंबर 2025 को हट ऑफ रिमेंबरेंस पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। यह क्षण हमारे वीर योद्धाओं को सम्मानित करने और एनडीए के पूर्व छात्रों को पीढ़ियों से जोड़ने वाले अटूट भाईचारे की भावना को दर्शाता है।

थलसेनाध्यक्ष ने 12 दिसंबर 2025 को लड़ाकू सेना विमानन प्रशिक्षण विद्यालय (सीएएटीएस) का दौरा किया, जहां उन्हें अत्याधुनिक प्रशिक्षण का बुनियादी ढांचा दिखाया गया और उत्कृष्ट प्रशिक्षण मानकों के बारे में जानकारी दी गई।

थलसेनाध्यक्ष ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने और परिचालन तैयारियों का आकलन करने के लिए फायर एंड फ्यूरी कोर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, सेना प्रमुख ने फायर एंड फ्यूरी कोर और लद्दाख पुलिस कर्मियों को उनकी असाधारण सेवा के लिए सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री कमांडरों का सम्मेलन, नई दिल्ली, 04-05 दिसंबर 2025

आर्टिलरी रेजिमेंट का द्विवार्षिक सम्मेलन, देवलाली, 12 दिसंबर 2025

थलसेनाध्यक्ष ने 10 दिसंबर 2025 को मऊ दौरे के दौरान राष्ट्र निर्माण, सामाजिक कल्याण और युवा सशक्तिकरण में सेवानिवृत्ति के बाद किए गए अनुकरणीय योगदान के लिए पांच विशिष्ट पूर्व सैनिकों को 'वेटरन अचीवर्स अवार्ड' से सम्मानित किया।

इन्फेंट्री कमांडरों का सम्मेलन, मऊ, 09-11 दिसंबर 2025

- इन्फेंट्री कमांडरों का सम्मेलन, मैकेनाइज्ड कमांडरों का सम्मेलन और आर्टिलरी रेजिमेंट का द्विवार्षिक सम्मेलन थलसेनाध्यक्षा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।
- प्रौद्योगिकी आधारित युद्ध प्रशिक्षण, परिचालन तैयारी और आधुनिकीकरण एवं स्वदेशीकरण पर केंद्रित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई।
- परिवर्तन के दशक, तकनीकी समावेश के वर्ष और विकसित भारत 2047 के समर्थन में विश्वसनीय क्षमताओं के प्रति सेना की प्रतिबद्धता से संबंधित गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया गया।

असम राइफल्स ने 8 दिसंबर 2025 को गोरखपुर में पूर्व सैनिक संपर्क अभियान चलाया। लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा, एवीएसएम, एसएम, महानिदेशक असम राइफल्स ने वीर नारियों, पूर्व सैनिकों और वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने जरूरतमंद पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सहायता सामग्री भी वितरित की।

संक्षिप्त समाचार

3 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' के अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा लेफ्टिनेंट कर्नल द्वारकेश सी को 'सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी में 'राष्ट्रीय दिव्यांगजन पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया।

थलसेनाध्यक्ष ने 157वें नियमित, 46वें टीईएस, 140वें टीजीसी, 55वें एससीओ और टीए ओईई 2023 बैचों की पासिंग आउट परेड (पीओपी) का निरीक्षण किया। कुल 525 अधिकारी कैडेट, जिनमें 34 मित्र देशों के कैडेट भी शामिल थे। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) के प्रतिष्ठित संस्थान से उत्तीर्ण हुए। उन्होंने त्रुटिहीन ड्रिल, बेजोड़ समन्वय और असाधारण वेशभूषा का प्रदर्शन किया।

5 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित विचार एवं नवाचार प्रतियोगिता 'इनो योद्धा 2025' में भारतीय सेना के उप थलसेनाध्यक्ष (वीसीओएएस) ने भाग लिया। इस संगोष्ठी के दौरान भारतीय सेना के शीर्ष 32 नवाचारों का प्रदर्शन किया गया और उप थलसेनाध्यक्ष द्वारा नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया गया।

श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त श्री संतोष झा ने 28 नवंबर 2025 को थलसेनाध्यक्ष से मुलाकात की। उनकी चर्चा क्षेत्रीय सुरक्षा की गतिशीलता और राजनयिक एवं रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर केंद्रित थी, जिससे भारत-श्रीलंका रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

भारत ने 28 नवंबर 2025 को विनाशकारी चक्रवात दितवाह के तत्काल बाद प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में **ऑपरेशन सागर बंधु** शुरू किया, ताकि **श्रीलंका** को तत्काल **मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर)** प्रदान की जा सके। भारतीय सेना ने **'पड़ोसी पहले'** की नीति के तहत महत्वपूर्ण राहत प्रदान करने, आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए एक एकीकृत कार्य बल, एक उच्च-तैयारी वाला, आत्मनिर्भर मिश्रित एचएडीआर दल तैनात किया।

सैन्य कूटनीतिः भारतीय सेना

वियतनाम पीपुल्स आर्मी के साथ अभ्यास **विनबैक्स** 2025, 11-29 नवंबर 2025, मियू मोन प्रशिक्षण केंद्र, हनोई

नेपाल सेना के साथ अभ्यास **सूर्यकिरण,** 25 नवंबर-08 दिसंबर 2025, पिथौरागढ़, उत्तराखंड

इंडोनेशियाई विशेष बलों के साथ अभ्यास **गरुड़ शक्ति,** 03-12 दिसंबर 2025, बकलोह, हिमाचल प्रदेश

संयुक्त अरब अमीरात थल सेना के साथ अभ्यास **डेजर्ट साक्लोन,** 18-30 दिसंबर 2025, अबू धाबी

ब्रिटिश सेना के साथ अभ्यास **अजेय वारियर,** 17-30 नवंबर 2025, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान

मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स के साथ अभ्यास **एकुवेरिन,** 02-16 दिसंबर 2025, तिरुवनंतपुरम, केरल

मलेशियाई सेना के साथ अभ्यास **हरिमाऊ शक्ति,** 05-18 दिसंबर 2025, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान

मित्र देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यासों से उच्च स्तर की अंतर-संचालनीयता, परिचालन तैयारी और विश्वास प्राप्त हुआ, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय मजबूत हुआ, पेशेवर आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला और **एक सक्षम एवं विश्वसनीय वैश्विक सुरक्षा भागीदार के रूप में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई।**

इस माह का उपकरण

इनवर मिसाइल

इनवर मिसाइल एक टैंक-रोधी गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) है, जिसका उद्देश्य **आधुनिक और भविष्य के आर्मर्ड वाहनों को नष्ट करना है**, जिनमें विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच से लैस वाहन, छोटे आकार के लक्ष्य (पिलबॉक्स और बंकर), फील्ड किलेबंदी और धीमी गति से उड़ने वाले हवाई लक्ष्य (जैसे हेलीकॉप्टर) शामिल हैं। इसका **अर्ध-स्वचालित लेजर गाइडेंस** स्थिर और गतिशील दोनों लक्ष्यों को सटीक रूप से निशाना बनाने में सक्षम बनाता है। **हॉलो एंड शेप्ड चार्ज टैंडम वारहेड** से लैस, इनवर मिसाइल पारंपरिक टैंक गोला-बारूद की तुलना में कहीं अधिक दूरी पर सटीक निशाना साधने में सक्षम है।

विशेषताएं

- **लक्ष्य क्षमताः** स्थिर और गतिशील दोनों लक्ष्यों को भेदने में सक्षम (70 किमी/ घंटा तक की गति)।
- **सटीकताः** लंबी दूरी पर भी 90 प्रतिशत से अधिक हिट होने की संभावना।
- **नियंत्रणः** इलेक्ट्रिक और न्यूमेटिक दोनों प्रकार का कैनार्ड नियंत्रण।

मुख्य विशेषताएं

- **प्रभावी रेंजः** 100 मीटर से 5000 मीटर
- **लॉन्च प्लेटफॉर्मः** 125 मिमी स्मूथ बोर टैंक टी-90
- **गाइडेंस प्रणालीः** सेमी-ऑटोमैटिक कमांड टू लाइन ऑफ साइट (एसएसीएलओएस) लेजर बीम राइडिंग
- **वारहेडः** टैंडम हाई-एक्सप्लोसिव एंटी-टैंक (एचईएटी)

भारतीय सेना में महत्व

इनवर मिसाइल, आधुनिक टैंक की मारक क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यह मिसाइल की मारक क्षमता को मुख्य युद्धक टैंक की सुरक्षा और गतिशीलता के साथ जोड़ती है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा लाइसेंस प्राप्त **उत्पादन से रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता मजबूत** होती है और परिचालन तत्परता के लिए निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होती है। यह मिसाइल **एक महत्वपूर्ण शक्ति गुणक के रूप में कार्य करती है, जो लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता प्रदान करती है** और आधुनिक मशीनी युद्ध में टी90 को एक प्रमुख प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित करती है।

बसंतर की लड़ाई: भारत-पाक युद्ध 1971

1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान, 17 पूना हॉर्स के साथ 47 इन्फैंट्री ब्रिगेड को शंकरगढ़ सेक्टर में बसंतर नदी पर एक ब्रिजहेड स्थापित करने का आदेश दिया गया। 15 दिसंबर को रात 2100 बजे तक ब्रिजहेड स्थापित कर लिया गया था और बारूदी सुरंग क्षेत्र को साफ करने का कार्य प्रगति पर था, तभी दुश्मन के जवाबी हमले की आशंका थी। इस नाजुक स्थिति में 17 पूना हॉर्स ने बारूदी सुरंग क्षेत्रों को पार करते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया। भोर होते ही रेजिमेंट ने इन्फेंट्री से संपर्क स्थापित कर लिया। लगभग 0800 बजे दुश्मन के आर्मर्ड दस्तों ने हमारे ब्रिजहेड पर जवाबी हमला किया। इस लड़ाई में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल ने अपने टैंक दस्ते का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के टैंकों, मजबूत मोर्चों और रिकॉयललेस गनों पर जोरदार हमला किया। भीषण मुठभेड़ के दौरान उन्होंने दुश्मन के एक टैंक को नष्ट कर दिया, जिससे दुश्मन को पीछे हटना पड़ा। हालांकि दुश्मन ने फिर से संगठित होकर दस टैंकों के साथ जवाबी हमला किया। भीषण लड़ाई में, द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल ने सटीक निशाने से दुश्मन के चार टैंकों को नष्ट कर दिया। भीषण युद्ध में, उनके दो टैंक क्षतिग्रस्त हो गए। एक टैंक पर गोला लगा और दूसरे में यांत्रिक खराबी आ गई। खेत्रपाल के टैंक पर भी गोला लगा और उसमें आग लग गई। उन्हें टैंक छोड़ने का आदेश दिया गया, लेकिन यह समझते हुए कि दुश्मन अभी भी इस क्षेत्र में हमला जारी रखे हुए है और यदि उन्होंने अपना टैंक छोड़ दिया, तो दुश्मन घुसपैठ कर लेगा, उन्होंने गंभीर घावों और अपने जलते हुए टैंक के बावजूद दुश्मन से लड़ना जारी रखा।

उन्होंने जिस आखिरी दुश्मन टैंक पर निशाना साधा, वह उनकी स्थिति से महज 100 मीटर दूर था। इसी समय उनके टैंक पर दूसरा निशाना लगा, जो घातक साबित हुआ और उस बहादुर टैंक सैनिक

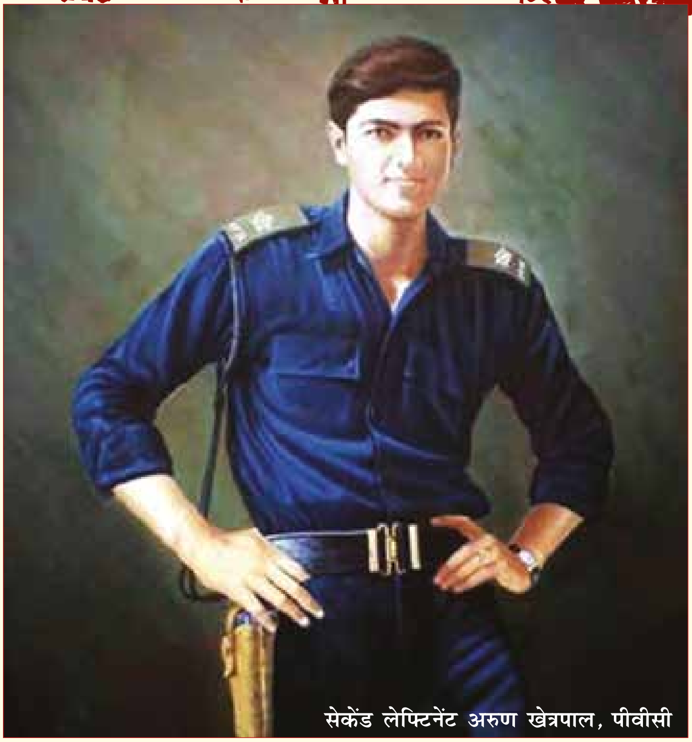

सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, पीवीसी

की जान ले ली। दुश्मन के सामने उनकी असाधारण वीरता के लिए, सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेतत्रपाल को मरणोपरांत सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार, परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने अदम्य साहस के साथ दुश्मन को वह सफलता हासिल करने से रोक दिया जिसकी उसे सख्त जरूरत थी। एक भी दुश्मन टैंक उनके ब्रिजहेड को भेदने में सक्षम नहीं था।

माननीय रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में फिल्म ***'इक्कीस'*** की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल (पीवीसी, मरणोपरांत) के परिवार के सदस्यों और उनके टैंक क्रू के परिजनों (एनओके) को सम्मानित किया। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बसंतर युद्ध पर आधारित है।

जानकारी के लिए संपर्क करें
प्रकाशक: स्ट्रेटजिक कम्युनिकेशन, रक्षा मंत्रालय (सेना), आईएचक्यू का अतिरिक्त महानिदेशालय
संपादक बातचीत ईमेल: editorbaatcheet@gmail.com
संपर्क नंबर: 011-23018665
प्रिंटर: एनीथिंग प्रिंटर, **फोन:** 011-45685718